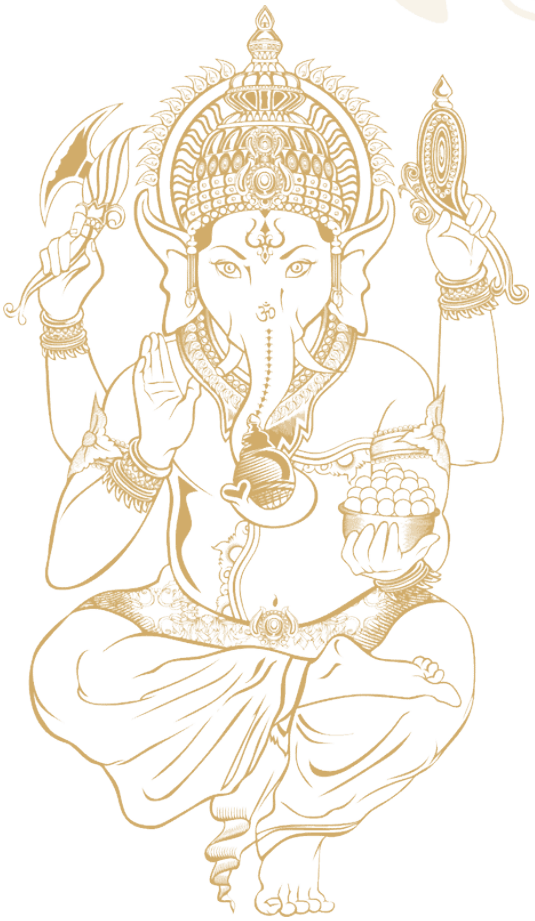

Mahavir

18 Jun 1985

03:23 PM

Hissar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121580805

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/06/1985**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:23:00 घंटे**
इष्ट	24:47:30 घटी
स्थान	**Hissar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:10:00 उत्तर
रेखांश	75:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:56:00 घंटे
वेलान्तर	-00:01:01 घंटे
साम्पातिक काल	08:42:21 घंटे
सूर्योदय	05:27:59 घंटे
सूर्यास्त	19:28:10 घंटे
दिनमान	14:00:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	03:27:05 मिथुन
लग्न के अंश	11:38:57 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	गण्ड
करण	नाग
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:38:57	309:17:22	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मिथु	03:27:05	00:57:18	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मिथु	02:27:03	12:28:36	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	मिथु	12:18:41	00:39:45	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध			मिथु	16:06:00	01:59:01	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	स्वराशि
गुरु	व		मक	23:01:27	00:02:34	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	नीच राशि
शुक्र			मेष	17:48:45	00:59:30	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि	व		तुला	28:53:38	00:03:16	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	उच्च राशि
राहु	व		मेष	24:04:41	00:05:15	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	24:04:41	00:05:15	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	21:51:55	00:02:24	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
नेप	व		धनु	08:44:05	00:01:37	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	08:25:52	00:00:46	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	14:30:46	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:02

लग्न-चलित

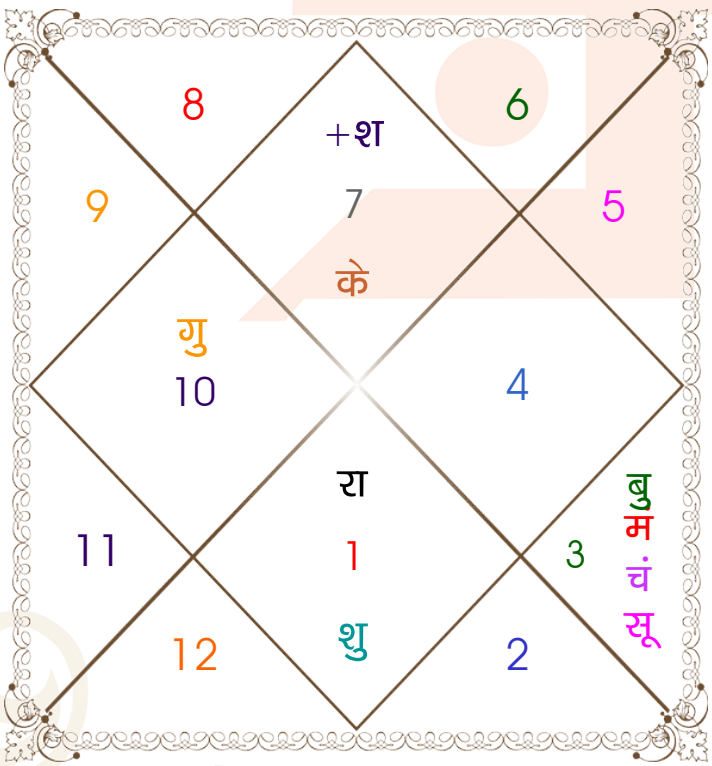

चन्द्र कुंडली

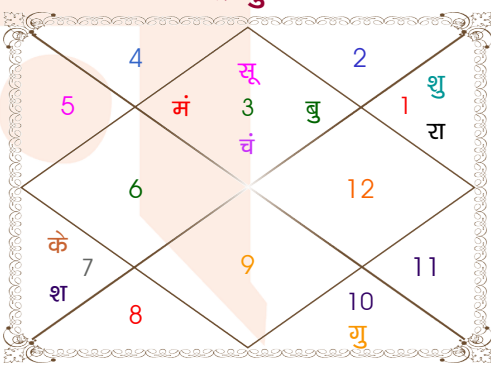

नवमांश कुंडली

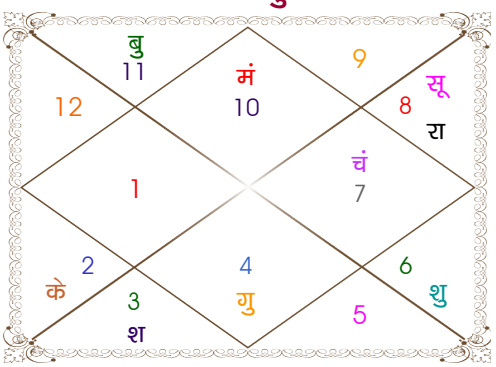

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 2 मास 17 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/06/1985		05/09/1987		04/09/2005		04/09/2021		04/09/2040	
05/09/1987		04/09/2005		04/09/2021		04/09/2040		04/09/2057	
	00/00/0000	राहु	18/05/1990	गुरु	23/10/2007	शनि	07/09/2024	बुध	31/01/2043
	00/00/0000	गुरु	10/10/1992	शनि	06/05/2010	बुध	18/05/2027	केतु	29/01/2044
	00/00/0000	शनि	17/08/1995	बुध	10/08/2012	केतु	26/06/2028	शुक्र	29/11/2046
	00/00/0000	बुध	06/03/1998	केतु	17/07/2013	शुक्र	26/08/2031	सूर्य	05/10/2047
	18/06/1985	केतु	24/03/1999	शुक्र	17/03/2016	सूर्य	07/08/2032	चंद्र	05/03/2049
केतु	30/07/1985	शुक्र	24/03/2002	सूर्य	04/01/2017	चंद्र	09/03/2034	मंगल	03/03/2050
शुक्र	29/09/1986	सूर्य	16/02/2003	चंद्र	06/05/2018	मंगल	18/04/2035	राहु	19/09/2052
सूर्य	03/02/1987	चंद्र	17/08/2004	मंगल	11/04/2019	राहु	21/02/2038	गुरु	26/12/2054
चंद्र	05/09/1987	मंगल	04/09/2005	राहु	04/09/2021	गुरु	04/09/2040	शनि	04/09/2057

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/09/2057		04/09/2064		04/09/2084		04/09/2090		05/09/2100	
04/09/2064		04/09/2084		04/09/2090		05/09/2100		00/00/0000	
केतु	31/01/2058	शुक्र	04/01/2068	सूर्य	22/12/2084	चंद्र	06/07/2091	मंगल	01/02/2101
शुक्र	02/04/2059	सूर्य	04/01/2069	चंद्र	23/06/2085	मंगल	04/02/2092	राहु	19/02/2102
सूर्य	08/08/2059	चंद्र	04/09/2070	मंगल	29/10/2085	राहु	05/08/2093	गुरु	26/01/2103
चंद्र	08/03/2060	मंगल	04/11/2071	राहु	23/09/2086	गुरु	05/12/2094	शनि	06/03/2104
मंगल	04/08/2060	राहु	04/11/2074	गुरु	12/07/2087	शनि	05/07/2096	बुध	03/03/2105
राहु	23/08/2061	गुरु	05/07/2077	शनि	23/06/2088	बुध	04/12/2097	केतु	19/06/2105
गुरु	30/07/2062	शनि	04/09/2080	बुध	29/04/2089	केतु	05/07/2098		00/00/0000
शनि	08/09/2063	बुध	06/07/2083	केतु	04/09/2089	शुक्र	06/03/2100		00/00/0000
बुध	04/09/2064	केतु	04/09/2084	शुक्र	04/09/2090	सूर्य	05/09/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 2 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।